समिलीपाल बायोस्फीयर रज़िर्व: ओडशिा

हाल ही में **वन प्रशासन और** [स्वयं सहायता समूहों (SHGs)] ने इस वर्ष [समिलीपाल बायोस्फीयर रज़िर्व] में आग के प्रबंधन हेतु जागरूकता अभयिान शुरू कयिा है।

- इससे पहले वैज्ञानकिों ने **समिलीपाल टाइगर रज़िर्व (STR)** में ओडशिा के ['ब्लैक टाइगरस'] के रंगों के पीछे के रहस्य को उज़ागर कयिा है।

प्रमुख बदिु

- **परचिय**:
  - समिलीपाल का नाम **'समिुल' (Simul- सल्कि कॉटन)** के पेड़ के नाम पर पड़ा है।
  - टाइगर रज़िर्व के लयि इसका चयन आधकिारकि रूप से वर्ष 1956 में कयिा गया था, जसिको वर्ष 1973 में **प्रोजेक्ट टाइगर (Project Tiger)** के अंतर्गत लाया गया।
  - भारत सरकार ने जून 1994 में इसे **एक जैवमंडल रज़िर्व (Biosphere Reserve) क्षेत्र घोषति** कयिा।
  - यह बायोस्फीयर रज़िर्व वर्ष 2009 से यूनेस्को के [वशि्व नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रज़िर्व] **(UNESCO World Network of Biosphere Reserve)** का हसि्सा है।
  - यह समिलीपाल-कुलडीहा-हदगढ़ हाथी रज़िर्व (Similipal-Kuldiha-Hadgarh Elephant Reserve) का हसि्सा है, जसिे **मयूरभंज एलीफेंट रज़िर्व (Mayurbhanj Elephant Reserve)** के नाम से जाना जाता है।
  - यह जंगल **वनाग्न**ि से ग्रस्त है। वर्ष 2021 में समिलीपाल में फरवरी के अंत और मार्च की शुरुआत में [वनाग्न]ि की घटना देखी गई थी।
- **अवस्थति**:
  - यह ओडशिा के मयूरभंज ज़लि के उत्तरी भाग में स्थति है जो भौगोलकि रूप से [पूर्वी घाट] के पूर्वी छोर पर स्थति है।

आवृत्त क्षेत्र:

- यह जैववमंडल 4,374 वर्ग कमी. में फैला हुआ है, जसिमें 845 वर्ग कमी. का कोर क्षेत्र (बाघ अभयारण्य), 2,129 वर्ग कमी. का बफर क्षेत्र और 1,400 वर्ग कमी. का संक्रमण क्षेत्र शामलि है।

वनस्पतयिाँ:

- समिलीपाल में 1,076 फूलों की प्रजातयिाँ और ऑर्कडि की 96 प्रजातयिाँ हैं।
- इसमें उष्णकटबिंधीय अर्द्ध-सदाबहार वन, उष्णकटबिंधीय नम पर्णपाती वन, शुष्क पर्णपाती पहाड़ी वन और वशिाल घास के मैदान मौजूद हैं।

जनजातयिाँ:

- इस बायोस्फीयर रज़िर्व क्षेत्र में दो जनजातयिाँ यथा- **इरेंगा खारयिा** (Erenga Kharias) और **मैनकर्डयिास** (Mankirdias) नविास करती हैं, जो आज भी पारंपरकि कृषि गतविधियिों (बीज और लकड़ी का संग्रह) के माध्यम से खाद्य संग्रहण करती हैं।

वन्यजीव:

- समिलीपाल बाघों और **हाथयिों** सहति जंगली जानवरों की एक वसि्तृत शृंखला का नविास स्थान है, इसके अलावा यहाँ पक्षयिों की 304 प्रजातयिाँ, उभयचरों की 20 प्रजातयिाँ और सरीसृप की 62 प्रजातयिाँ नविास करती हैं।

वनाग्नि का कारण और शमन:

- **वनाग्न**ि:
  - **प्राकृतकि:** इस क्षेत्र में सूर्य की तपशि और बढ़ता तापमान जैसे प्राकृतकि कारक [वनाग्न]ि (Forest Fire) का कारण बन सकते हैं।

- **मानव निर्मित कारण:** शिकारियों द्वारा जंगली जानवरों का शिकार करने के लिये आग का प्रयोग किया जाता है जो वनाग्नि का कारण हो सकता है।
- **शमन रणनीतियाँ:**
  - इन रणनीतियों में आग की आशंका वाले दिनों का पूर्वानुमान, इस क्षेत्र के समुदायों के सदस्यों के साथ मिलकर आग की घटनाओं को कम करने के लिये **कंट्रोल फायर लाइन** का निर्माण, सूखे बायोमास को हटाना, शिकारियों पर कार्रवाई करना आदि शामिल हैं।

ओडिशा के अन्य प्रमुख संरक्षित क्षेत्र:

- भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान
- बदरमा वन्यजीव अभयारण्य
- चिलिका (नलबण) वन्यजीव अभयारण्य
- हदगढ़ वन्यजीव अभयारण्य
- बैसीपल्ली वन्यजीव अभयारण्य
- कोटगढ़ वन्यजीव अभयारण्य
- नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य
- लखारी घाटी वन्यजीव अभयारण्य
- गहिरमाथा (समुद्री) वन्यजीव अभयारण्य

//
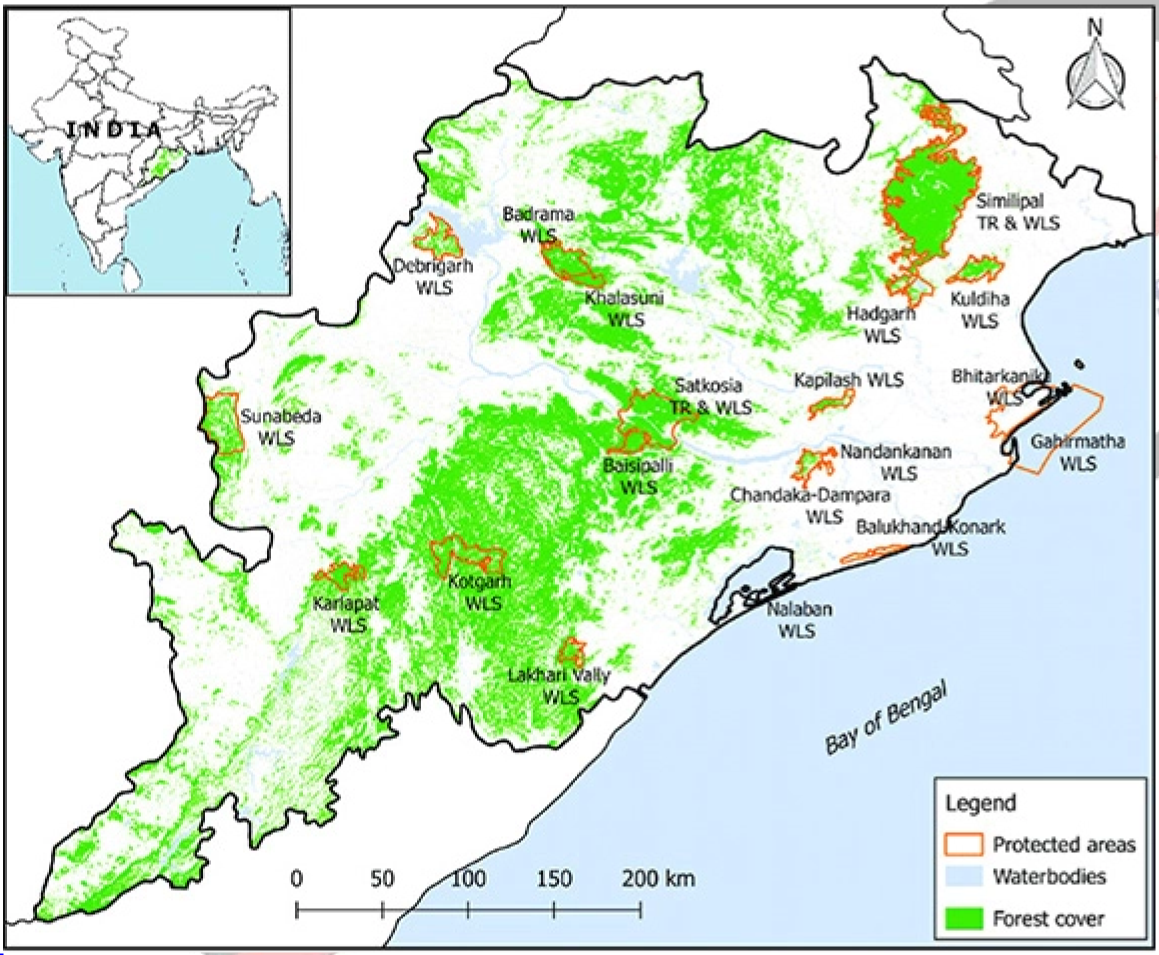

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/similipal-biosphere-reserve-odisha